卐 Shiva Shadaakshari Mantra Sadhana Evam Siddhi 卐

卐 भगवान शिव षडाक्षरी मन्त्र साधना एवं सिद्धि 卐

Sumit Girdharwal

9540674788, 9410030994

sumitgirdharwal@yahoo.com

www.baglamukhi.net

www.yogeshwaranand.org

सम्पुर्ण जगत में भगवान शिव के समान कोई नही हैा उनकी उपासना से बढ़कर कोई उपसाना नही है एवं उनके मंत्रो से बढ़कर कोई मंत्र नही हैा मनुष्य योनि प्राप्त करना तभी सफल है जब यह भगवान शिव की सेवा एवं भक्ति में समर्पित हो जाये । भगवान शिव को प्रसन्न करना ही मनुष्य का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए । जिस व्यक्ति ने इस जन्म में भगवान शिव को प्रसन्न कर लिया, उसके लिए करने को कुछ शेष नही रह जाता ।

वैसे तो भगवान शिव को प्रसन्न करने की कोई विधि नही है क्योंकि वो अपने भक्तों पर कब और कैसे प्रसन्न हो जायें ये कोई नही जानता फिर भी गुरूओं के मुख से जो कुछ भी प्राप्त हुआ उसके अनुसार व्यक्ति को साधना करनी चाहिए ।

भगवान शिव का षडाक्षरी मंत्र सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वशक्तिशाली मंत्र हैा इस मंत्र के जप से आध्यात्मिक विकास होता है एवं अन्त में मोक्ष प्राप्ति होती हैा इस संसार के सभी ऐश्वर्य एवं भोग शिव साधक के आगे नतमस्तक रहते हैा कोई दुख अथवा कष्ट भगवान शिव के साधक को नही छू सकता । शिव योगी सदैव निरोगी रहता है एवं १०० वर्ष की आयु पूर्ण कर मोक्ष प्राप्त करता हैा

भगवान शिव के षडाक्षरी मन्त्र ' ॐ नमः शिवाय ' की सम्पूर्ण विधि साधको के हितार्थ यहां प्रस्तुत कर रहा हूँ -

आसन पर बैठकर सर्वप्रथम अपने गुरूदेव का ध्यान एवं पूजन करें, उसके पश्चात गणेश जी का ध्यान एवं पूजन करें । यह पूजन आप मानसिक रूप से भी करे सकते हैं इसके पश्चात भगवान शिव का ध्यान करें एवं धूप, दीप फल फूल आदि से पूजन करें । इसके पश्चात संकल्पानुसार जप करें।

इस मंत्र का 1,25,000 जप रूद्राक्ष की माला से करना है, जिसे आप 11,14 अथवा 21 दिन में कर सकते हैा इसके पश्चात दशांश होम, तर्पण, मार्जन करना चाहिए एवं ११ ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए ।

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

इस विधि से आपको जीवन भर अनुष्ठान करने हैं, एक अनुष्ठान करके रूक नही जाना है, लगातार करते रहना हैा आप देखना जीवन में कैसे आपको आनन्द मिलता हैा
जो लोग अनुष्ठान करने में सक्षम नही हैं वो नियमित रूप से 51 माला इस मंत्र की करें ।

शिव के साथ शक्ति की एवं शक्ति के साथ शिव की उपासना अवश्य होती हैा इसलिए अपने गुरूदेव से शक्ति मंत्र भी अवश्य प्राप्त करें एवं उसका यथासम्भव जप करें ।

मन्त्र – ऊँ नमः शिवाय

ध्यानम्

ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचन्द्रवतंम् ।
रत्नाव्कल्पोज्जवलांगं परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम् ।।
पद्मासीनं समंतात्स्तुतममरगणै व्याघ्रकृत्तिं वसानम्।
विश्वाद्यं विश्ववबीजं निखिल भयहरं पञ्चवक्त्रं त्रिनेत्रम्।।

सीधे हाथ में जल लेकर विनियोग करें –

विनियोग – अस्य मन्त्रस्य वामदेव ऋषिः, पंक्ति छन्द, ईशान देवता, ऊँ बीजाय, नमः शक्तये, शिवायेति कीलकाय, सदाशिव प्रसन्नार्थे जपे विनियोगः।

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

ऋष्यादिन्यासः

ऊँ वामदेवऋषये नमः शिरसि।

पंक्ति छन्दसे नमः मुखे ।

ईशान देवतायै नमः हृदि।

ऊँ बीजाय नमः गुह्ये।

नमः शक्तये नमः पदयोः।

शिवायेति कीलकाय नमः नाभौ।

विनियोगाय नमः सर्वाङ्गे

षडङ्गन्यास

ऊँ ऊँ अगुंष्ठाभ्यां नमः।

ऊँ नं तर्जनीभ्यां नमः।

ऊँ मं मध्यामाभ्यां नमः।

ऊँ शिं अनामिकाभ्यां नमः।

ऊँ वां कनिष्ठिकाभ्यां नमः।

ऊँ यं करतल करपृष्ठाभ्यां नमः।

अङ्गन्यास

ऊँ ऊँ हृदयाय नमः

ऊँ नं शिरसे स्वाहा

ऊँ मं शिखायै वषट्

ऊँ शिं कवचाय हुम्।

ऊँ वां नेत्रत्रयाय वौषट।

ऊँ यं अस्त्राय फट्।

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

आज के युग में मनुष्य ऐसी साधनाओं की खोज में रहता है जो उसे तुरन्त फल प्रदान करें वह महामानव बनना चाहता है जिसके इशारे पर पूरा संसार चले, ऐसी सिद्धियां प्राप्त करना चाहता है जिनसे वह जब चाहे जिसको चाहे भस्म कर दे, जिसको चाहे वश में कर ले, सम्पूर्ण भविष्य का ज्ञान उसे हो जाये और पूरा संसार उसके आगे नतमस्तक रहे । ऐसी सिद्धियां पाने के लिए वो इधर उधर भटकता है। नये-नये गुरूओ के पास जाता है, नयी-नयी पुस्तकें खरीदता है। एक दो महीना नये मंत्र का जप करता है और जब कुछ हासिल नही होता तो फिर किसी नयी साधना को करना प्रारम्भ कर देता हैा इस तरह कई वर्ष बीत जाते हैं और कुछ हाथ नही आता ।

इस संसार के कुछ नियम होते हैं और उन्ही नियमों के तहत आपको फल प्राप्त होता है, केवल आपके चाहने से कुछ नही होता । सभी सिद्धियां भगवद कृपा से प्राप्त होती हैं इनके लिए आपको अलग से कुछ करने की आवश्यकता नही है। जो व्यक्ति सिद्धियों के पीछे भागता है उसे वो कभी प्राप्त नही होती और जिसका लक्ष्य परमात्म प्राप्ति है सभी सिद्धियां उसके आगे नतमस्तक रहती हैं यहां मेरा उद्देश्य आपको समझाना है कि कोई भी सिद्धि भगवद कृपा से ही मिलती हैा यदि यह मिलनी होगी तो आपको मिलकर ही रहेगी इसके लिए दर दर भटकने की और तुच्छ साधनाओं को करने की कोई आवश्यकता नही हैा उच्च कोटि की निष्काम साधना से सर्वप्रथम आपके जो पाप कर्म हैं उनका नाश होता है और आप जन्म-मरण के बंधनो से मुक्त हो जाते हैं सब कुछ आपको बिना चाहे ही मिल जायेगा । इसलिए मेरा आपको परामर्श है कि आप केवल उच्च कोटि की निष्काम उपासना ही करें जैसे शिव साधना एवं उनके विभिन्न अवतार, शक्ति

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

उपासना (दस महाविद्या, दुर्गा, काली, प्रत्यगिंरा, गायत्री आदि), भगवान विष्णु एवं उनके विभिन्न अवतार ।

Books written by Shri Yogeshwaranand Ji

1. Mahavidya Shri Baglamukhi Sadhna Aur Siddhi

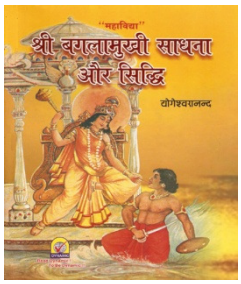

2. **Mantra Sadhana**

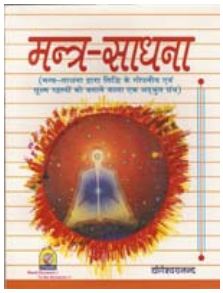

3. **Shodashi Mahavidya** (Tripursundari Sadhana)

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

4. Shri Baglamukhi Sadhana Rahasya

Shri Baglamukhi Sadhana Rahasya is the upcoming book of Shri Yogeshwaranand Ji on Ma Baglamukhi. Only limited copies of this book are going to be published. If you want to secure your copy before all sold out please make a payment of Rs 680 into the below A/C
Sumit Girdharwal
Axis Bank
912020029471298
IFSC Code – UTIB0001094
After payment send your complete address and payment receipt to shaktisadhna@yahoo.com & sumitgirdharwal@yahoo.com. For more details please call on +91-9540674788, 91-9410030994

Feedback & Support

I am very pleased to say that we are taking a next step ahead in the field of spirituality by digitalizing all the available Sanskrit texts in the world related to secret mantras, tantras and yantras. In the first phase we will digitalize all the content provided by Shri Yogeshwaranand Ji regarding das mahavidyas. We will not only make it available for Hindi and Sanskrit readers but also translate it into English so that whole world can get the benefits from our work. I can't do it alone. I request all of you to help me achieve this goal.

Requirement

1. We need a person who can write articles in Hindi and Sanskrit in software like Adobe Indesign (Preferable font chanakya) or Microsoft Office (Font Used Kruti Dev 020, Chanakya)
2. We need a graphic designer who can create good pictures to summarize the content.
3. We need an English translator who can translate these articles into English
4. Any donation will be appreciated which is highly needed for this project.

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

My dear readers! Very soon We are going to start an E-mail based monthly magazine related to tantras, mantras and yantras including practical uses for human welfare. I request you to appreciate me, so that I can change my dreams into reality regarding the service of humanity through blessings of our saints and through the grace of Ma Pitambara. Please make registered to yourself and your friends. For registration email me at sumitgirdharwal@yahoo.com Thanks

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org